छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग – सामान्य ज्ञान

छत्तीसगढ़ परिचय –

- पहली बार छ.ग. शब्द का प्रयोग दलपात राव नें 1487 में किया था ।
- दलपत राव खैरागढ़ राज्य के राजा लक्ष्मीनिधि के चारण कवि थे ।
- पहली बार छ.गढ़ी भाषा का प्रयोग रतनपुर के कवि गोपाल मिश्र ने अपनी कृति खूब तमाशा में कि थी ।
- मुगल काल में छत्तीसगढ़ को रतनपुर राज्य के नाम से जाना जाता था ।
- 1896 ई. में बाबू रेवाराम नें अपनी ग्रंथ विक्रम विलास में इस क्षेत्र को छ.ग. कि संज्ञा दी थी ।
- कैप्टन ब्लंट नें 1795 में छत्तीसगढ़ से राजामुन्द्री की यात्रा की और अपने विवरण में छ.ग. का उल्लेख किया था

छ.ग. राज्य का गठन –

- 1854 में हड़प नीति के तहत नागपुर सहित छ.ग. को डलहौजी नें ब्रिटिश साम्राज्य में मिला लिया था ।
- 1861 में नए प्रांत के रूप में मध्यप्रात का गठन किया गया । जिसमें छ.ग. भी शामिल था, तथा रायपुर और बिलासपुर को जिला बनाया गया था ।
- 1862 में छ.ग. को संभाग का दर्जा दिया गया, जिसमें रायपुर, बिलासपुर और संबंलपुर तीन जिले बने ।
- 1905 में बंगााल प्रांत और मध्य प्रांत का पुनर्गठन हुआ जिसमें संबलपुर ओड़िशा में शामिल हो गया ।
- 1905 में छ.ग. अपने वर्तमान स्वरूप में आया (समुद्री घोड़े की आकृति में)
- 1905 में छ.ग. के पांच जिले ओड़िशा में शामिल हो गये तथा उत्तर से पांच जिले छ.ग. में शामिल हुए ।
- 1918 में पहली बार पं. सुंदरलाल शर्मा नें पृथक छ.ग. की संकल्पना की थी ।
- 1924 में रायपुर जिला परिषद् द्वारा पृथक छ.ग. कि मांग कि गई थी ।
- 1939 में जबलपुर कांग्रेस के त्रिपुरी अधिवेशन में छ.ग. की मांग की गई ।
- 1948 में छ.ग. क्षेत्र के प्रमुख 14 रियासतो का विलय भारत में हो गया ।
- 1953 में फजल अली की अध्यक्षता में राज्यो के पुनर्गठन हेतु, गठित राज्य पुनर्गठन के समक्ष पृथक छ.ग. राज्य की मांग कि गई ।
- 1955 में रायपुर के विधायक ठाकुर रामकृष्ण नें मध्य प्रांत के विधानसभा में मांग की ।
- 28 जनवरी 1956 को राजनांदगांव में छ.ग. महासभा का गठन किया गया, जिसकी अध्यक्षता डॉ खूबचंद बघेल ने कि थी इस सभा में छ.ग. की मांग दशरथ चौबे, केसूरभूषण, व हरि ठाकुर ने कि थी ।
- 1956 में मध्यप्रदेश का पुनर्गठन हुआ, और छ.ग. मध्य प्रदेश राज्य का हिस्सा बन गया (मध्य प्रांत से मध्य प्रदेश का हिस्सा बना)
- 1967 में रायपुर सम्मेलन में और राष्ट्पति से छ.ग. की मांग की गई ।
- 1967 मे डॉ खूबचंद बघेल ने भातृसंघ कि स्थापना की ।
- 1994 में पहली बार मध्यप्रदेश विघानसभा में अशासकीय संकल्प विधायक गोपाल परमार ने पारित किया ।
- 1 मई 1998 को म.प्र. विधानसभा में शासकीय संकल्प पारित हुआ ।
- 25 जुलाई 2000 कों पृथक छ.ग. राज्य की स्थापना के लिये मध्यप्रदेश पुनर्गठन विधेयक 2000 लोकसभा में प्रस्तुत किया गया ।
- 31 जुलाई 2000 को यह विधेयक लोकसभा में पारित हो गया ।
- 3 अगस्त 2000 को राज्यसभा में यह विधेयक प्रस्तुत किया गया ।
- 9 अगस्त 2000 को राज्यसभा में एक संशोधन के साथ यह विधेयक पारित हो गया ।
- 10 अगस्त को राज्यसभा के संशोधन को लोकसभा ने स्वीकार कर लिया ।
- 25 अगस्त 2000 को राष्ट्पति श्री के. आर. नारायण के हस्ताक्षर के पश्चात् मध्यप्रदेश पुनर्गठन अधिनियम बना ।
- 1 नवम्बर 2000 को मध्य प्रदेश से अलग होकर छ.ग. राज्य बना ।
- पृथक छ.ग. राज्य के पहले मुख्यमंत्री श्री अजीत प्रमोद कुमार जोगी बनें ।
-